

मवेशियों में पर्यावरण संवर्धन



अंजली आर्या¹, निति शर्मा¹,
ऋतू², सुभाशीष साह¹ और
एस वी शाह¹

¹पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन
विभाग एवं ²पशु पोषण विभाग
पशु चिकित्सा विज्ञान एवं
पशुपालन महाविद्यालय, कामधेनु
विश्वविद्यालय, आणंद

विश्व स्तर पर डेयरी फार्मिंग एक गहन उत्पादन प्रणाली की ओर बदल रही है जहां जानवरों के प्राकृतिक व्यवहार को व्यक्त करने पर ध्यान नहीं दिया जाता है। अधिक उपज देने वाले डेयरी पशु अक्सर उत्पादन के दबाव में होते हैं। दुहने वाले वातावरण में और दूध दुहने की प्रक्रिया दूध देने वाले जानवरों को किसी न किसी तरह से प्रभावित करती है। प्रतिकूल वातावरण जानवरों में तनाव पैदा करता है। दुग्धशालाओं में पशुओं को होने वाले बुरे अनुभवों के कारण, पशु दुग्धशाला में प्रवेश करने से हिचकिचाते हैं। बढ़ती तनाव की स्थिति में, डेयरी गायों ने दूध उत्पादन में गिरावट देखी जाती है। नैतिक और शारीरिक दोनों की स्वस्थता के लिए, पुराना तनाव और चिंता अवांछनीय है। जानवरों में तनाव न केवल तत्काल प्रतिक्रियाएं पैदा करता है, बल्कि यह उनके जीव विज्ञान पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है, यहां तक कि पीढ़ियों में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है। तनाव-प्रवण पर्यावरणीय परिस्थितियों में, समृद्ध संशोधनों की शुरूआत जानवरों के शरीर विज्ञान में एक महत्वपूर्ण सुधार को प्रेरित कर सकती है।

पर्यावरण संवर्धन एक ऐसी तकनीक है जो किसी जानवर के पर्यावरण को संशोधित करके उसके जैविक कामकाज में सुधार करती है। पर्यावरण संवर्धन जानवरों को अपने परिवेश में तनाव का सामना करने, निराशा को कम करने, व्यवहार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति में वृद्धि करने और अधिक सकारात्मक भावात्मक अवस्थाओं को बढ़ावा देने में मदद करता है। इस प्रकार आसपास के वातावरण का कुशल प्रबंधन लाभ को अधिकतम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संवर्धन के प्रकार

विभिन्न प्रकार के पर्यावरण संवर्धन को संवेदी,

सामाजिक, संज्ञानात्मक, भोजन संबंधी और संरचनात्मक में प्रतिष्ठित किया जा सकता है। ये बंदी जानवरों के पर्यावरण में सुधार करते हैं और इस प्रकार सुविधाओं को भी लाभान्वित करते हैं जिससे पशु उत्पादन बढ़ता है।

सामाजिक संवर्धन: जिसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष (दृश्य, घ्राण, श्रवण) शामिल हो सकते हैं एवं समान प्रजाति (उसी प्रजाति के अन्य) या मनुष्यों के साथ संपर्क शामिल हो सकता है। जब गायों को घर के अंदर रखा जाता है, तो वे अपने जीवन के लगभग हर पहलू के लिए मनुष्यों पर निर्भर रहती हैं। मनुष्यों के साथ दैनिक संपर्क का गायों के व्यवहार और

उत्पादकता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

व्यावसायिक संवर्धन: जिसमें मनोवैज्ञानिक संवर्धन (जैसे, ऐसे उपकरण जो जानवरों को नियंत्रण या चुनौतियां प्रदान करते हैं) और संवर्धन जो व्यायाम को प्रोत्साहित करते हैं दोनों शामिल हैं।

भौतिक संवर्धन: जिसमें जानवर के बाड़े के आकार या जटिलता को बदलना या वस्तुओं, स्थायी संरचनाओं (जैसे, नेस्टबॉक्स) जैसे सामान बाड़े में जोड़ना शामिल हो सकता है।

संवेदी संवर्धन: जिसमें दृश्य (जैसे, टेलीविजन, पोस्टर, जानवरों की छवि), श्रवण (संगीत, स्वर), या अन्य तौर-तरीकों (जैसे, सुगंध, स्पर्श, स्वाद) शामिल हैं।

पोषण संवर्धन: जिसमें या तो विविध या नए प्रकार के भोजन प्रस्तुत करना या भोजन वितरण की पद्धति को बदलना शामिल हो सकता है।

अनुप्रयोग

- गहन वातावरण में जानवरों में सामाजिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है
- अवांछनीय और असामान्य व्यवहार को कम करता है
- विशिष्ट वातावरण में व्यवहार की कार्यक्षमता और अनुकूलता पर जोर देने के लिए
- अनुसंधान में प्रयुक्त जानवरों के पर्यावरण को परिष्कृत करने के लिए प्रयुक्त
- भौतिक वातावरण में जानवरों को बोरियत से बचने के लिए

पर्यावरण संवर्धन का जानवरों की विभिन्न प्रजातियों पर व्यापक, शारीरिक और व्यवहारिक प्रभाव पड़ता है। यह असामान्य व्यवहारों की आवृत्ति या गंभीरता को कम कर सकता है, अथवा उन्हें विकसित होने से रोक सकता है।

संवर्धन कार्यक्रम के लक्ष्य

पर्यावरण संवर्धन का उद्देश्य बंजर पर्यावरण को बढ़ाना और ऐसा वातावरण प्रदान करना है जो प्रजातियों के प्रासंगिक व्यवहार को पूरा करता हो, इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- जानवर द्वारा दिखाए जाने वाले सामान्य व्यवहारों की संख्या और सीमा में वृद्धि

- असामान्य व्यवहार के विकास को रोकना या उनकी आवृत्ति या गंभीरता को कम करना
- पर्यावरण के सकारात्मक उपयोग में वृद्धि (जैसे, स्थान का उपयोग)
- व्यवहार और शारीरिक चुनौतियों जैसे कि मनुष्यों के संपर्क में आना, प्रायोगिक हेरफेर, या पर्यावरणीय भिन्नता से निपटने के लिए जानवरों की क्षमता में वृद्धि करना
- उपरोक्त के अलावा, पशु व्यवहार का अवलोकन, स्वास्थ्य और प्रदर्शन संवर्धन कार्यक्रम के महत्वपूर्ण घटक हैं

संवर्धन कार्यक्रम योजना विकसित करना

अपने जानवरों की व्यक्तिगत जरूरतों पर विचार करने के अलावा, प्रजातियों की विशिष्ट जरूरतों को समझना महत्वपूर्ण है। सभी उम्र और लिंगों के पालतू पशु एक दूसरे से बहुत प्रेरित होते हैं। हालांकि, कई गायों को जल्दी अलगाव और भीड़भाड़ के अनुभव से बचाया जा सकता है, ताकि उनका प्राकृतिक व्यवहार प्रभावित ना हो। ये कारक निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं कि वे कैसे विकसित होते हैं, और कुछ गायों में अस्थायी या स्थायी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं जो प्रस्तावित संवर्धन का उपयोग करने की उनकी क्षमता को

प्रभावित करती हैं। इस कारण से, एक समृद्ध योजना विकसित करते समय प्रत्येक जानवर पर भी विचार किया जाना चाहिए।

सामाजिक संवर्धन

- आदर्श रूप से, गायों को अन्य गायों के साथ रखा जाना चाहिए। यदि यह संभव नहीं होता है, तो अलगाव की भावना के कारण होने वाले तनाव को कम करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाने चाहिए।
- अन्य गायों के साथ दृश्य संपर्क प्रदान करें।
- उनके रहने की जगह में एक दर्पण लगाएं।
- गायों को मनुष्यों के साथ-साथ कुछ अन्य प्रजातियों के साथ सामाजिक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रेरित करना।
- उनके रहने की जगह में उनके साथियों की बड़ी तस्वीरें रखें (विशेषकर, सामने से लिया गया चित्र जो उनके चेहरे को उजागर करते हैं)।
- ग्रूमिंग व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए एक ग्रूमिंग ब्रश की सुविधा प्रदान करना।

भौतिक या संरचनात्मक संवर्धन

- पानी और भोजन के लिए कई स्टेशन प्रदान करना।
- सेल्फ ग्रूमिंग स्टेशन स्थापित करना।
- लकड़ी का क्षेत्र, ये गाय के लिए बाहरी रहने की जगहों

के अद्भुत हिस्से बना सकते हैं।

पोषण संवर्धन

- एक बड़ा पानी का जग लें और जग के किनारे पर मुट्ठी भर छेद करें। यह जग को फूड डिस्पेंसर में बदल देता है
- एक अन्य विकल्प यह है कि ऐसे खाद्य पदार्थ रखे जाएं जिन्हें आसानी से अपनी जीभ से बड़ी प्रकार की गंदों में पकड़ा जा सके, और उन्हें पूरे रहने की जगह में साथ बाड़ लगाने के लिए संलग्न किया जाए।

संवेदी संवर्धन

विशेष रूप से अलग रहने वाले जानवरों के लिए टेलीविजन कार्यक्रम या फिल्में दिखाने की व्यवस्था।

एक ही प्रजाति की छवियों को दीवारों पर प्रक्षेपित किया जा सकता है। खुश गायों के दृश्य पेश करने से निवासी गायों को भी अच्छा महसूस करने में मदद मिल सकती है। छवियों के प्रति रुचि कुछ हफ्तों के बाद फीकी पड़ सकती है, इसलिए रुचि बनाए रखने के लिए उन्हें नियमित रूप से बदला जाना चाहिए।

यदि किसी गाय को किसी नए रहने की जगह में स्थानांतरित

किया जाता है, तो एक परिचित गंध के लिए उनके पिछले स्थान से थोड़ा सा गंदा बिस्तर जोड़ें, जो समायोजन को थोड़ा आसान बना सकता है।

गायों को लैवेंडर की गंध के प्रति रुचि रहती है, और जब लैवेंडर की गंध को संवारने वाले ब्रश में डाला जाता है, तो वे उस गंध में रुचि दिखाते हैं और इसका उपयोग ग्रूमिंग ब्रश के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है।

जब संगीत बजाया जाता है तो गायों को कम डर का अनुभव होता है। हालाँकि, यह एक अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, क्योंकि संगीत सुनने पर मानव संचालक अधिक आराम से हो सकते हैं, और उनकी शांति ने गायों को शांत महसूस करने के लिए प्रेरित किया हो सकता है।

गाय मौखिक रूप से एक दूसरे के साथ अच्छी तरह से संवाद करती हैं। उनको खुश, शांत गाय की आवाजें सुनाने की कोशिश कर सकते हैं।

उनके रहने की जगह की बाड़ या दीवार से रस्सी या जंजीर टांगना।

गंदों, बक्सों, या ऐसी किसी भी चीज़ को जोड़ना जिससे कोई खतरा न हो, लेकिन स्पर्श करने, स्वाद लेने या हेरफेर करने में रुचिकर हो।

निष्कर्ष

डेयरी गायों और बछड़ों का इनडोर आवास जानवरों के लिए विभिन्न चुनौतियों से जुड़ा है, जैसे कि सीमित व्यवहार पैटर्न के साथ लंबे समय तक रहने की बाधा, साथ ही साथ असामान्य सामाजिक समूहों में रखरखाव। पर्यावरण संवर्धन के तरीके जिनका उद्देश्य मवेशियों को उनके पर्यावरण में तनाव से बेहतर तरीके से निपटने, निराशा को रोकने और व्यवहार संबंधी जरूरतों की पूर्ति में वृद्धि करने में सहायता करना है। संवर्धन कार्यक्रम डेयरी पशुओं को अपने परिवेश में तनाव से निपटने में मदद कर सकते हैं और उनके व्यवहार की जरूरतों की पूर्ति में वृद्धि कर सकते हैं। इसके शारीरिक और व्यवहारिक प्रभाव असामान्य व्यवहार की घटनाओं या गंभीरता को कम करने में मदद कर सकते हैं। जानवरों की शारीरिक और मानसिक स्थिति में सुधार के संदर्भ में जानवरों के पर्यावरण को समृद्ध करने से उत्पादकता में वृद्धि जैसे कई लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं, जो पर्यावरण संवर्धन को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।